ICSE Class 10 Hindi Specimen Paper 1

Written by the Future Topper subject team on the CISCE examination pattern. Not an official CISCE paper.
Found a mistake? Write to contactfuturetopper@gmail.com

Maximum Marks: 80 | Time Allowed: Three hours | Reading Time: 15 minutes

Section A is compulsory. Attempt any four questions from Section B, answering at least one question from each of the two books you have studied.

General Instructions

Write your answers on the separate answer paper provided. The first 15 minutes are for reading the paper, and you may not write during that time. Marks for each question, or part of a question, are shown in brackets. Section A carries 40 marks and all of it must be attempted. Section B carries 40 marks: attempt any four questions from it, each of which carries 10 marks. Every answer in this paper must be written in Hindi, in the Devanagari script. Number your answers exactly as the question is numbered.

इस प्रश्न-पत्र के सभी उत्तर हिंदी में लिखिए। खंड 'क' के सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। खंड 'ख' से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए, जिनमें आपने जिन दो पुस्तकों का अध्ययन किया है उनमें से प्रत्येक से कम से कम एक प्रश्न अवश्य हो। प्रत्येक प्रश्न अथवा उसके भाग के अंक कोष्ठक में दिए गए हैं। उत्तर उसी क्रम-संख्या के साथ लिखिए जिस क्रम-संख्या से प्रश्न दिया गया है।

खंड 'क' (Section A) — भाषा [40 अंक]

इस खंड के सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

प्रश्न 1 [15]

निम्नलिखित में से **किसी एक** विषय पर लगभग 250 शब्दों में निबंध लिखिए:

(i) विद्यार्थी जीवन में अनुशासन का महत्त्व। अनुशासन क्या है, वह घर और विद्यालय में किस प्रकार सीखा जाता है, तथा अनुशासनहीनता के क्या परिणाम होते हैं — इन बिंदुओं पर अपने विचार लिखिए।

(ii) प्लास्टिक मुक्त भारत। प्लास्टिक से होने वाली हानियाँ बताते हुए लिखिए कि एक विद्यार्थी अपने स्तर पर इस समस्या को कम करने के लिए क्या-क्या कर सकता है।

(iii) आपने अपने परिवार के साथ किसी ऐतिहासिक स्थल की यात्रा की। उस यात्रा का वर्णन कीजिए और बताइए कि वहाँ जाकर आपने क्या नया जाना।

(iv) 'परिश्रम ही सफलता की कुंजी है' — इस कथन को आधार बनाकर अपने अथवा अपने परिचित के जीवन की कोई ऐसी घटना लिखिए जिससे यह बात सिद्ध होती हो।

(v) मोबाइल फोन : वरदान या अभिशाप। दोनों पक्षों पर विचार करते हुए अंत में अपना मत स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 2 [7]

निम्नलिखित में से **किसी एक** विषय पर लगभग 120 शब्दों में पत्र लिखिए:

(i) अपने मित्र को पत्र लिखकर बताइए कि ग्रीष्मावकाश में आपने अपने मोहल्ले में वृक्षारोपण अभियान में किस प्रकार भाग लिया और उससे आपको क्या अनुभव हुआ।

(ii) अपने नगर के नगरपालिका अधिकारी को पत्र लिखकर अपने मोहल्ले में कूड़े के ढेर और गंदे पानी की समस्या की ओर ध्यान दिलाइए तथा उचित व्यवस्था का अनुरोध कीजिए।

प्रश्न 3 [10]

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उसके नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर अपने शब्दों में लिखिए:

> पुस्तकें मनुष्य की सबसे पुरानी और सबसे धैर्यवान मित्र हैं। जो मित्र हमारे सुख में साथ देता है, वह दुख में साथ छोड़ सकता है; किंतु पुस्तक न सुख में छोड़ती है, न दुख में। वह न कभी रूठती है, न कभी शिकायत करती है। जब चाहो, उसे खोल लो; जब चाहो, बंद कर दो। वह उतना ही देती है जितना हम लेने की क्षमता रखते हैं।

> अच्छी पुस्तक की पहचान यह है कि पढ़ने के बाद वह हमें पहले से कुछ अधिक उदार और कुछ अधिक विनम्र बना देती है। जो पुस्तक केवल मनोरंजन देकर चली जाती है, वह मित्र नहीं, परिचित मात्र है। आज की सबसे बड़ी कठिनाई यह नहीं है कि पुस्तकें नहीं हैं; कठिनाई यह है कि पढ़ने का अवकाश नहीं है। हमारे पास सूचनाएँ बहुत हैं, पर विचार कम हैं; शब्द बहुत हैं, पर मौन कम है। स्वाध्याय हमें यही मौन लौटाता है, जिसमें विचार जन्म लेते हैं। जिस घर में चार अच्छी पुस्तकें हैं, उस घर में चार अच्छे मनुष्य बनने की संभावना सदा बनी रहती है।

(i) लेखक ने पुस्तक को सबसे धैर्यवान मित्र क्यों कहा है? **[2]**

(ii) गद्यांश के अनुसार अच्छी पुस्तक की क्या पहचान है? **[2]**

(iii) लेखक की दृष्टि में आज की सबसे बड़ी कठिनाई क्या है, और वह कठिनाई क्यों उत्पन्न हुई है? **[2]**

(iv) 'स्वाध्याय' शब्द का अर्थ स्पष्ट कीजिए तथा 'विनम्र' शब्द का विलोम लिखिए। **[2]**

(v) इस गद्यांश के लिए एक उपयुक्त शीर्षक दीजिए और उसे चुनने का कारण भी बताइए। **[2]**

प्रश्न 4 [8]

निम्नलिखित में से प्रत्येक के लिए सही विकल्प चुनकर लिखिए। केवल प्रश्न की क्रम-संख्या और चुने हुए विकल्प का अक्षर लिखिए।

(i) 'उपकार' शब्द का विलोम है — (क) संस्कार (ख) प्रतिकार (ग) अपकार (घ) तिरस्कार **[1]**

(ii) 'नीलकमल' में कौन-सा समास है? — (क) तत्पुरुष (ख) कर्मधारय (ग) द्वंद्व (घ) बहुव्रीहि **[1]**

(iii) 'मिठास' किस प्रकार की संज्ञा है? — (क) जातिवाचक (ख) व्यक्तिवाचक (ग) द्रव्यवाचक (घ) भाववाचक **[1]**

(iv) 'परीक्षा' का सही संधि-विच्छेद है — (क) परि + ईक्षा (ख) परी + क्षा (ग) पर + ईक्षा (घ) परिः + ईक्षा **[1]**

(v) शुद्ध वर्तनी वाला शब्द है — (क) अनुग्रहीत (ख) अनुगृहीत (ग) अनुग्रहित (घ) अनुगृहित **[1]**

(vi) 'आँखों का तारा होना' मुहावरे का अर्थ है — (क) घमंडी होना (ख) बहुत दूर होना (ग) बहुत प्रिय होना (घ) निराश हो जाना **[1]**

(vii) शुद्ध वाक्य है — (क) मुझको यह पुस्तक चाहिए था। (ख) मैं यह पुस्तक चाहिए। (ग) मुझे यह पुस्तक चाहिए था। (घ) मुझे यह पुस्तक चाहिए। **[1]**

(viii) 'जो कहा न जा सके' — के लिए एक शब्द है — (क) अकथनीय (ख) अदृश्य (ग) अपठनीय (घ) असंभव **[1]**

खंड 'ख' (Section B) — साहित्य [40 अंक]

किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आपने जिन दो पुस्तकों का अध्ययन किया है, उनमें से प्रत्येक से कम से कम एक प्रश्न अवश्य कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 10 अंकों का है।

साहित्य सागर — गद्य खंड

प्रश्न 5 [10]

प्रेमचंद की कहानी 'बड़े घर की बेटी' के आधार पर:

> **प्रसंग:** ठाकुर बेनीमाधव सिंह के बड़े पुत्र श्रीकंठ सिंह का विवाह आनंदी से हुआ है, जो एक बड़े घर की बेटी है। एक दिन शिकार से लौटे लालबिहारी सिंह को भोजन में घी कम मिलने पर कहा-सुनी हो जाती है और बात इतनी बढ़ जाती है कि घर के बँटवारे की नौबत आ जाती है।

(i) आनंदी को 'बड़े घर की बेटी' क्यों कहा गया है? दो कारण लिखिए। [2]

(ii) लालबिहारी सिंह और आनंदी के बीच झगड़े का तात्कालिक कारण क्या था? [2]

(iii) श्रीकंठ सिंह के चरित्र की तीन विशेषताएँ उदाहरण सहित लिखिए। [3]

(iv) कहानी के अंत में आनंदी के व्यवहार से परिवार किस प्रकार टूटने से बच गया? इस प्रसंग से आपको क्या शिक्षा मिलती है? [3]

प्रश्न 6 [10]

सियारामशरण गुप्त की कहानी 'काकी' के आधार पर:

> **प्रसंग:** श्यामू की माँ, जिसे वह 'काकी' कहता था, नहीं रहीं। बड़ों ने उसे समझा दिया कि काकी आकाश में, भगवान के पास चली गई है। छोटा श्यामू इस बात को अपने ढंग से समझता है और काकी को लौटा लाने की एक योजना बना लेता है।

(i) श्यामू अपने पिता से पतंग क्यों मँगवाना चाहता था? [2]

(ii) काकी के न रहने पर घर के वातावरण में क्या परिवर्तन आ गया था? [2]

(iii) इस कहानी को बाल-मनोविज्ञान की कहानी क्यों कहा जाता है? तीन बिंदुओं में समझाइए। [3]

(iv) विश्वेश्वर के व्यवहार पर टिप्पणी कीजिए। क्या आप उनके क्रोध को उचित मानते हैं? अपने उत्तर का कारण भी दीजिए। [3]

प्रश्न 7 [10]

स्वयं प्रकाश की कहानी 'नेताजी का चश्मा' के आधार पर:

> **प्रसंग:** एक छोटे कस्बे के चौराहे पर नेताजी सुभाषचंद्र बोस की संगमरमर की मूर्ति लगी है, जिसमें मूर्तिकार चश्मा नहीं बना पाया था। हालदार साहब हर पंद्रहवें दिन उस कस्बे से गुजरते हैं और मूर्ति को देखते हैं।

(i) हालदार साहब को कस्बे से गुजरते समय मूर्ति को देखकर हर बार क्या विशेष बात दिखाई देती थी? [2]

(ii) कैप्टन चश्मेवाला मूर्ति पर अपना चश्मा क्यों लगाता था? [2]

(iii) पानवाले के चरित्र की तीन विशेषताएँ लिखिए। [3]

(iv) कहानी के अंत में मूर्ति पर सरकंडे का चश्मा देखकर हालदार साहब की आँखें क्यों भर आईं? इस अंत से लेखक क्या कहना चाहता है? [3]

साहित्य सागर — पद्य खंड

प्रश्न 8 [10]

निम्नलिखित साखियों को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

> ऐसी बाँणी बोलिये, मन का आपा खोइ।
> अपना तन सीतल करै, औरन कौं सुख होइ॥
>
> जाति न पूछो साधु की, पूछ लीजिए ज्ञान।
> मोल करो तरवार का, पड़ा रहन दो म्यान॥
>
> — कबीर, 'साखी'

(i) पहली साखी में कबीर ने कैसी वाणी बोलने का उपदेश दिया है, और उसका क्या फल बताया है ? [2]

(ii) 'मन का आपा खोइ' से कवि का क्या अभिप्राय है ? [2]

(iii) दूसरी साखी के माध्यम से कबीर किस सामाजिक बुराई पर चोट करते हैं ? तलवार और म्यान के उदाहरण से वे अपनी बात किस प्रकार स्पष्ट करते हैं ? [3]

(iv) कबीर की भाषा की तीन विशेषताएँ, इन साखियों से उदाहरण देते हुए लिखिए। [3]

प्रश्न 9 [10]

निम्नलिखित पद को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

> मैया मोहिं दाऊ बहुत खिझायौ।
> मोसौं कहत मोल कौ लीन्हौ, तू जसुमति कब जायौ॥
> कहा करौं इहि रिस के मारें, खेलन हौं नहिं जात।
> पुनि पुनि कहत कौन है माता, को है तेरौ तात॥
>
> — सूरदास, 'सूर के पद'

(i) कृष्ण ने माता यशोदा से दाऊ की कौन-सी शिकायत की है ? [2]

(ii) बलराम कृष्ण को चिढ़ाने के लिए क्या कहते हैं ? [2]

(iii) इस पद में बाल-सुलभ रूठने और शिकायत करने का भाव किस प्रकार व्यक्त हुआ है ? तीन बिंदुओं में लिखिए। [3]

(iv) वात्सल्य रस से क्या अभिप्राय है ? सूरदास को वात्सल्य का सम्राट क्यों कहा जाता है ? [3]

प्रश्न 10 [10]

निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

> वह आता—
> दो टूक कलेजे के करता पछताता पथ पर आता।
> पेट-पीठ दोनों मिलकर हैं एक,
> चल रहा लकुटिया टेक,
> मुट्ठी भर दाने को—भूख मिटाने को
> मुँह फटी पुरानी झोली को फैलाता—
>
> — सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला', 'भिक्षुक'

(i) भिखारी की शारीरिक दशा का वर्णन कवि ने किन शब्दों में किया है ? [2]

(ii) 'दो टूक कलेजे के करता' पंक्ति का भाव स्पष्ट कीजिए। [2]

(iii) इस काव्यांश में निराला की करुणा और सामाजिक चेतना किस प्रकार प्रकट हुई है ? तीन बिंदुओं में लिखिए। [3]

(iv) कविता की भाषा और शैली की तीन विशेषताएँ, उदाहरण देते हुए लिखिए। **[3]**

नया रास्ता — सुषमा अग्रवाल

प्रश्न 11 [10]

उपन्यास 'नया रास्ता' के आधार पर:

(i) मीनू के विवाह में बार-बार बाधा क्यों आती रही? दो कारण लिखिए। **[2]**

(ii) मायाराम ने अमित के लिए सरिता को क्यों चुना? **[2]**

(iii) मीनू के चरित्र की तीन विशेषताएँ, उपन्यास की घटनाओं के आधार पर लिखिए। **[3]**

(iv) मीनू ने अपने लिए जो मार्ग चुना, उसे आप किस दृष्टि से उचित मानते हैं? तीन तर्क दीजिए। **[3]**

प्रश्न 12 [10]

उपन्यास 'नया रास्ता' के आधार पर:

(i) दयाराम के सामने सबसे बड़ी चिंता क्या थी? **[2]**

(ii) आशा के विवाह के प्रस्ताव पर दयाराम ने क्या आपत्ति की थी? **[2]**

(iii) उपन्यास में दहेज प्रथा के दुष्परिणाम किन-किन रूपों में दिखाए गए हैं? तीन बिंदुओं में लिखिए। **[3]**

(iv) मनोहर वाले प्रसंग से मीनू के व्यक्तित्व का कौन-सा पक्ष उजागर होता है? उस प्रसंग का संक्षेप में वर्णन कीजिए। **[3]**

प्रश्न 13 [10]

उपन्यास 'नया रास्ता' के आधार पर:

(i) अमित के चरित्र की दो विशेषताएँ लिखिए। **[2]**

(ii) अमित और मीनू के बीच की दूरी किस घटना के बाद मिटी? **[2]**

(iii) 'नया रास्ता' शीर्षक की सार्थकता तीन बिंदुओं में सिद्ध कीजिए। **[3]**

(iv) इस उपन्यास से समाज को क्या संदेश मिलता है? अपने शब्दों में लिखिए। **[3]**

एकांकी संचय

प्रश्न 14 [10]

विनोद रस्तोगी के एकांकी 'बहू की विदा' के आधार पर:

(i) प्रमोद किस अवसर पर कमला को विदा कराने आया था, और जीवनलाल ने क्या शर्त रखी? **[2]**

(ii) कमला ने प्रमोद को मकान बेचने से क्यों रोका? **[2]**

(iii) राजेश्वरी के चरित्र की तीन विशेषताएँ लिखिए। **[3]**

(iv) जीवनलाल का हृदय-परिवर्तन किस प्रकार हुआ? इस परिवर्तन से एकांकीकार क्या कहना चाहता है? **[3]**

प्रश्न 15 [10]

उपेन्द्रनाथ अश्क के एकांकी 'सूखी डाली' के आधार पर:

(i) दादा मूलराज अपने परिवार की तुलना किससे करते हैं और क्यों? **[2]**

(ii) बेला का मन परिवार में क्यों नहीं लगता था? **[2]**

(iii) परिवार द्वारा बेला को अधिक आदर दिए जाने पर वह और भी दुखी क्यों हो गई? तीन बिंदुओं में समझाइए। **[3]**

(iv) 'सूखी डाली' शीर्षक की सार्थकता स्पष्ट कीजिए तथा एकांकी का केंद्रीय भाव लिखिए। **[3]**

प्रश्न 16 [10]

डॉ. रामकुमार वर्मा के एकांकी 'दीपदान' के आधार पर:

(i) बनवीर ने असमय दीपदान का उत्सव क्यों रचाया? **[2]**

(ii) पन्ना ने उदयसिंह को महल से बाहर किस प्रकार भिजवाया? **[2]**

(iii) पन्ना धाय के चरित्र की तीन विशेषताएँ, एकांकी की घटनाओं के आधार पर लिखिए। **[3]**

(iv) पन्ना के त्याग को आप किस दृष्टि से देखते हैं ? एकांकी से हमें क्या संदेश मिलता है ? **[3]**

ANSWER KEY AND MARKING SCHEME

Marks shown in italics are the step marks an examiner would award. The answers below give the substance expected; accept any correct answer of equal value written in the candidate's own Hindi, and do not insist on this exact wording. In Question 1 and Question 2 the marks are for content, language and form together, and the division is shown under each. Where a question asks for three points, the best three offered should be marked. Deduct for answers written in a script other than Devanagari only where the paper has asked for Hindi.

प्रश्न 1 [15]

कोई भी एक विषय। अपेक्षित: विषय से जुड़ी भूमिका, क्रमबद्ध विचार, उपयुक्त उदाहरण तथा सुगठित उपसंहार; लगभग 250 शब्द; शुद्ध वर्तनी और वाक्य-रचना; अनुच्छेदों में विभाजन।

(i) अनुशासन: अनुशासन की परिभाषा; प्रकृति में अनुशासन (सूर्य, ऋतुएँ); घर और विद्यालय में अनुशासन; आत्म-अनुशासन और बाह्य अनुशासन का अंतर; अनुशासनहीनता के परिणाम; निष्कर्ष। **(ii) प्लास्टिक:** प्लास्टिक की उपयोगिता और हानियाँ; नालियों और समुद्र पर प्रभाव; पशुओं और स्वास्थ्य पर प्रभाव; विद्यार्थी के स्तर पर उपाय — कपड़े का थैला, पुन:उपयोग, जागरूकता अभियान। **(iii) यात्रा:** स्थान, तिथि और साथी; मार्ग का वर्णन; स्थल का ऐतिहासिक महत्त्व; वहाँ जाकर जाना हुआ नया तथ्य; अनुभव और भाव। **(iv) परिश्रम:** कथन का आशय; घटना का क्रमबद्ध वर्णन; कठिनाई और उस पर विजय; निष्कर्ष। **(v) मोबाइल:** लाभ; हानियाँ; संतुलित उपयोग; स्पष्ट मत।

विषय-वस्तु और विचारों का विकास 7. भाषा, वर्तनी और वाक्य-रचना 5. प्रस्तुति, अनुच्छेद-विभाजन और उपसंहार 3.

प्रश्न 2 [7]

(i) अनौपचारिक पत्र: पता और दिनांक; 'प्रिय मित्र' जैसा संबोधन; अभियान का समय और स्थान; अपनी भूमिका; कितने पौधे लगाए और कौन-से; उनकी देखभाल की व्यवस्था; अनुभव और भाव; 'तुम्हारा मित्र' के साथ समापन। **(ii) औपचारिक पत्र:** प्रेषक का पता और दिनांक; 'सेवा में, नगरपालिका अधिकारी'; विषय; 'महोदय' संबोधन; मोहल्ले का नाम; कूड़े के ढेर और रुके हुए गंदे पानी से उत्पन्न रोग और असुविधा; अब तक की गई शिकायतें; नियमित सफाई और नालियों की मरम्मत का अनुरोध; 'भवदीय' के साथ समापन। पत्र लगभग 120 शब्दों का हो।

पत्र का प्रारूप, संबोधन और समापन 2. विषय-वस्तु 3. भाषा और वर्तनी 2.

प्रश्न 3 [10]

(i) क्योंकि पुस्तक न सुख में साथ छोड़ती है और न दुख में; वह न कभी रूठती है, न शिकायत करती है, और जब चाहो तब उपलब्ध रहती है। वह पाठक की पात्रता के अनुसार ही देती है और कभी आग्रह नहीं करती।

कोई भी दो बातें, 1-1 अंक।

(ii) अच्छी पुस्तक वह है जिसे पढ़ने के बाद पाठक पहले से कुछ अधिक उदार और कुछ अधिक विनम्र बन जाए। जो केवल मनोरंजन देकर चली जाए, वह मित्र नहीं, केवल परिचित है।

उदार और विनम्र बनाना 1. मनोरंजन मात्र देने वाली पुस्तक का अंतर 1.

(iii) सबसे बड़ी कठिनाई पुस्तकों का अभाव नहीं, पढ़ने के अवकाश का अभाव है। यह इसलिए उत्पन्न हुई है क्योंकि हमारे पास सूचनाएँ बहुत हैं पर विचार कम, शब्द बहुत हैं पर मौन कम।

अवकाश का अभाव 1. सूचना अधिक, विचार कम — कारण 1.

(iv) **स्वाध्याय** का अर्थ है स्वयं, अपनी रुचि और इच्छा से किया गया अध्ययन — बिना किसी परीक्षा या बाध्यता के पढ़ना। **विनम्र** का विलोम — उद्दंड (अथवा घमंडी, उद्धत)।

स्वाध्याय का अर्थ 1. विलोम 1.

(v) उपयुक्त शीर्षक: 'पुस्तकें: सच्ची मित्र' अथवा 'स्वाध्याय का महत्त्व'। कारण: पूरा गद्यांश पुस्तक की मित्रता, अच्छी पुस्तक की पहचान और स्वाध्याय की आवश्यकता के चारों ओर घूमता है, इसलिए यही शीर्षक उसके केंद्रीय भाव को व्यक्त करता है।

उपयुक्त शीर्षक 1. कारण 1.

प्रश्न 4 [8]

(i) (ग) अपकार।

सही विकल्प 1.

(ii) (ख) कर्मधारय — नीला है जो कमल।

सही विकल्प 1.

(iii) (घ) भाववाचक — 'मीठा' गुण से बना भाववाचक शब्द।

सही विकल्प 1.

(iv) (क) परि + ईक्षा — दीर्घ संधि।

सही विकल्प 1.

(v) (ख) अनुगृहीत।

सही विकल्प 1.

(vi) (ग) बहुत प्रिय होना।

सही विकल्प 1.

(vii) (घ) मुझे यह पुस्तक चाहिए।

सही विकल्प 1.

(viii) (क) अकथनीय।

सही विकल्प 1.

प्रश्न 5 [10]

(i) आनंदी श्रीमंत भूपसिंह की पुत्री थी और उसका पालन-पोषण वैभव और सम्मान के बीच हुआ था; किंतु उसे 'बड़े घर की बेटी' इसलिए कहा गया कि उसने बड़े घर के संस्कारों के अनुरूप अपमान सहकर भी उदारता और त्याग का परिचय दिया और परिवार को बिखरने से बचा लिया।

ऊँचे कुल में जन्म और लालन-पालन 1. संस्कार, त्याग और उदारता 1.

(ii) शिकार से लौटे लालबिहारी सिंह को भोजन में घी कम मिला। उसने ताना दिया, तो आनंदी ने कह दिया कि इतना घी रोज कहाँ से आएगा। इसी कहा-सुनी में लालबिहारी ने क्रोध में आकर खड़ाऊँ फेंक दी, जो आनंदी को लगी।

घी को लेकर कहा-सुनी 1. खड़ाऊँ फेंकना 1.

(iii) कोई भी तीन: (क) शिक्षित और विचारशील — बी.ए. पास, संयुक्त परिवार का समर्थक; (ख) पत्नी के प्रति स्नेही और न्यायप्रिय — आनंदी के अपमान पर अलग होने तक को तैयार; (ग) आत्मसम्मानी किंतु विवेकशील — क्रोध में भी मर्यादा नहीं छोड़ता; (घ) पिता के प्रति आदरभाव रखने वाला; (ङ) अंत में भाई को क्षमा कर देने वाला उदार हृदय।

प्रत्येक विशेषता उदाहरण सहित 1, कुल 3.

(iv) जब लालबिहारी लज्जित होकर घर छोड़कर जाने लगा, तब आनंदी ने ही आगे बढ़कर उसे रोका और श्रीकंठ से कहा कि वह अपने भाई को न जाने दे। उसके इस त्याग से श्रीकंठ का क्रोध शांत हुआ, लालबिहारी का हृदय बदल गया और बँटवारा टल गया। शिक्षा: क्षमा और त्याग से बड़े से बड़ा कलह शांत हो जाता है, और परिवार की एकता व्यक्तिगत अहंकार से बड़ी होती है।

आनंदी का रोकना और क्षमा करना 1. परिवार का बिखरने से बचना 1. शिक्षा 1.

प्रश्न 6 [10]

(i) श्यामू को बताया गया था कि काकी आकाश में भगवान के पास चली गई है। उसने अपने बाल-मन से यह सोचा कि यदि आकाश में छेद कर दिया जाए तो काकी लौट आएगी, और इसी छेद को करने के लिए वह पतंग मँगवाना चाहता था।

आकाश में जाने की बात 1. पतंग से छेद करने की कल्पना 1.

(ii) घर का उल्लास समाप्त हो गया था। श्यामू का कोई ध्यान रखने वाला न रहा, उसे समय पर भोजन और स्नेह नहीं मिलता था, और पिता विश्वेश्वर शोक तथा चिंता में डूबे रहते थे, जिससे घर में सूनापन और चिड़चिड़ापन छा गया।

कोई भी दो परिवर्तन, 1-1 अंक।

(iii) कोई भी तीन: (क) कहानी बच्चे की दृष्टि से मृत्यु को देखती है, जिसे वह समझ ही नहीं पाता; (ख) श्यामू बड़ों की कही बात को अक्षरश: सच मान लेता है, जो बच्चों का स्वभाव है; (ग) वह अपनी कल्पना से समस्या का हल निकालता है — पतंग से आकाश में छेद; (घ) उसकी जिद, रूठना और रोना बाल-सुलभ है; (ङ) कहानी में बालक की भावनाओं को बड़ों की उपेक्षा के सामने रखा गया है।

तीन बिंदु, 1-1 अंक।

(iv) विश्वेश्वर पत्नी की मृत्यु के शोक और घर की चिंता से टूटे हुए हैं, इसलिए वे श्यामू की जिद पर झुँझला उठते हैं। उनका क्रोध मानवीय दृष्टि से समझा जा सकता है, किंतु उचित नहीं कहा जा सकता, क्योंकि जिस बालक ने अभी माँ खोई है उसे डाँट नहीं, अधिक स्नेह और धैर्य की आवश्यकता थी। (विपरीत मत भी स्वीकार्य है, यदि कारण सही दिए गए हों।)

विश्वेश्वर की मनःस्थिति 1. अपना मत 1. मत के पक्ष में कारण 1.

प्रश्न 7 [10]

(i) उन्हें हर बार यह दिखाई देता था कि संगमरमर की मूर्ति पर चश्मा बदला हुआ है — कभी गोल फ्रेम, कभी किसी और प्रकार का। मूर्तिकार ने मूर्ति में चश्मा नहीं बनाया था, फिर भी मूर्ति सदा चश्मा पहने मिलती थी।

चश्मा मूर्ति में नहीं बना था 1. चश्मा बदलता रहता था 1.

(ii) कैप्टन को लगता था कि देश के लिए सब कुछ न्योछावर करने वाले नेताजी की मूर्ति चश्मे के बिना अधूरी है। अपनी श्रद्धा और देशभक्ति के कारण वह अपने बेचने के चश्मों में से एक मूर्ति पर लगा देता था, और ग्राहक के माँगने पर वही चश्मा उतारकर दूसरा लगा देता था।

मूर्ति अधूरी लगना 1. श्रद्धा और देशभक्ति 1.

(iii) कोई भी तीन : (क) बातूनी और हँसमुख — पान खाते हुए हर बात का उत्तर देता है ; (ख) ऊपर से उपहास करने वाला, भीतर से भावुक — कैप्टन की मृत्यु बताते हुए उसकी आँखें भर आती हैं ; (ग) कस्बे की हर बात की जानकारी रखने वाला ; (घ) साधारण जन का प्रतिनिधि, जो देशभक्ति को गंभीरता से नहीं लेता, पर उससे अछूता भी नहीं है।

तीन विशेषताएँ, 1-1 अंक।

(iv) अंत में मूर्ति पर सरकंडे का छोटा-सा चश्मा किसी बालक ने लगा दिया था। यह देखकर हालदार साहब की आँखें इसलिए भर आईं कि कैप्टन के न रहने पर भी उसकी भावना मरी नहीं ; अब एक बच्चे ने वह परंपरा सँभाल ली है। लेखक कहना चाहता है कि देशभक्ति किसी पद, धन या आयु की मोहताज नहीं ; वह साधारण लोगों और नई पीढ़ी के हृदय में जीवित रहती है।

सरकंडे का चश्मा और उसका अर्थ 1. कैप्टन की भावना का जीवित रहना 1. लेखक का संदेश 1.

प्रश्न 8 [10]

(i) कबीर कहते हैं कि ऐसी वाणी बोलनी चाहिए जो अहंकार से रहित हो। ऐसी वाणी का फल यह है कि बोलने वाले का अपना मन और शरीर शीतल रहता है और सुनने वालों को भी सुख मिलता है।

अहंकाररहित मधुर वाणी 1. अपने को शीतलता, दूसरों को सुख 1.

(ii) 'मन का आपा खोइ' का अर्थ है मन के अहंकार, अपनेपन के दंभ और 'मैं' के भाव को त्याग देना। जब तक भीतर अहंकार है, वाणी कठोर ही निकलेगी।

अहंकार का त्याग 1. वाणी पर उसका प्रभाव 1.

(iii) कबीर जाति-पाँति के भेदभाव पर चोट करते हैं। वे कहते हैं कि साधु की जाति नहीं, उसका ज्ञान पूछना चाहिए। तलवार का उदाहरण देकर वे समझाते हैं कि मोल तलवार का किया जाता है, म्यान का नहीं ; इसी प्रकार मनुष्य का मूल्य उसके गुण और ज्ञान से है, उस आवरण से नहीं जिसे जाति कहा जाता है।

जातिभेद का विरोध 1. तलवार और म्यान का आशय 1. गुण ही मूल्य का आधार 1.

(iv) कोई भी तीन : (क) सधुक्कड़ी भाषा — ब्रज, अवधी, राजस्थानी और खड़ी बोली के शब्द मिले हुए, जैसे 'बाँणी', 'कौं', 'होइ' ; (ख) दोहा छंद में संक्षिप्त और सूत्र जैसी अभिव्यक्ति ; (ग) दैनिक जीवन के सरल उदाहरण और प्रतीक — तलवार, म्यान ; (घ) उपदेशात्मक और सीधी, निर्भीक शैली ; (ङ) अलंकारों का सहज प्रयोग।

तीन विशेषताएँ उदाहरण सहित, 1-1 अंक।

प्रश्न 9 [10]

(i) कृष्ण ने यशोदा से शिकायत की कि बड़े भाई बलराम (दाऊ) उन्हें बहुत चिढ़ाते हैं और इसी कारण वे खेलने नहीं जाते।

दाऊ का चिढ़ाना 1. खेलने न जाना 1.

(ii) बलराम कहते हैं कि कृष्ण मोल के लिए हुए हैं, यशोदा ने उन्हें जन्म नहीं दिया ; और बार-बार पूछते हैं कि तेरी माता कौन है और तेरा पिता कौन है।

मोल लिए जाने की बात 1. माता-पिता पूछना 1.

(iii) कोई भी तीन : (क) छोटी-सी बात पर रूठकर माँ से शिकायत करना बालक का स्वभाव है ; (ख) खेलने न जाने की जिद में बालसुलभ अभिमान झलकता है ; (ग) बार-बार एक ही बात दोहराना बच्चे की व्याकुलता दिखाता है ; (घ) 'मैया' संबोधन में माँ पर पूर्ण विश्वास और अधिकार का भाव है ; (ङ) बालक की पीड़ा वास्तविक है, पर कारण नितांत छोटा, जिससे वात्सल्य उभरता है।

तीन बिंदु, 1-1 अंक।

(iv) वात्सल्य रस वह रस है जिसमें माता-पिता अथवा बड़ों का संतान के प्रति स्नेह स्थायी भाव के रूप में व्यक्त होता है। सूरदास को वात्सल्य का सम्राट इसलिए कहा जाता है कि उन्होंने बालकृष्ण की लीलाओं के माध्यम से शैशव के रूठने, मचलने, शिकायत करने और खाने-खेलने के असंख्य चित्र इतनी सूक्ष्मता और स्वाभाविकता से खींचे हैं, जितने हिंदी साहित्य में किसी और कवि ने नहीं।

वात्सल्य रस की परिभाषा 1. बाल-लीलाओं का सूक्ष्म चित्रण 1. स्वाभाविकता और अप्रतिम विस्तार 1.

प्रश्न 10 [10]

(i) कवि कहता है कि भिखारी का पेट और पीठ दोनों मिलकर एक हो गए हैं, अर्थात वह भूख से इतना दुर्बल है कि पेट भीतर धँस गया है। वह लाठी के सहारे चल रहा है और मुँह फटी पुरानी झोली फैलाए आता है।

पेट-पीठ का एक होना 1. लाठी का सहारा और फटी झोली 1.

(ii) इस पंक्ति का भाव यह है कि भिखारी की दयनीय दशा देखने वाले का कलेजा दो टुकड़े कर देती है — उसे देखकर हृदय फट जाता है। साथ ही स्वयं भिखारी भी अपने जीवन पर पछताता हुआ चलता है।

देखने वाले का हृदय विदीर्ण होना 1. भिखारी का स्वयं पछताना 1.

(iii) कोई भी तीन: (क) कवि भिखारी को केवल दृश्य नहीं, एक जीवित पीड़ा के रूप में देखता है; (ख) वह दया की नहीं, व्यवस्था पर प्रश्न की दृष्टि रखता है — ऐसी दशा क्यों है; (ग) भूख को सबसे बड़ी यातना के रूप में चित्रित किया गया है; (घ) करुणा के साथ समाज की संवेदनहीनता पर मौन व्यंग्य है; (ङ) निराला शोषित और उपेक्षित जन को काव्य का विषय बनाते हैं, जो उनकी प्रगतिशील चेतना का प्रमाण है।

तीन बिंदु, 1-1 अंक।

(iv) कोई भी तीन: (क) मुक्त छंद, जिसमें पंक्तियाँ छोटी-बड़ी हैं और लय भीतर से आती है; (ख) खड़ी बोली में सहज, चित्रमय शब्दावली — 'लकुटिया टेक', 'फटी पुरानी झोली'; (ग) पंक्ति की आवृत्ति से करुणा की गहराई बढ़ाना; (घ) संक्षिप्त किंतु मार्मिक बिंब; (ङ) अतिशयोक्ति का सार्थक प्रयोग — पेट-पीठ का एक हो जाना।

तीन विशेषताएँ उदाहरण सहित, 1-1 अंक।

प्रश्न 11 [10]

(i) कोई भी दो: (क) मीनू का रंग साँवला था और वह देखने में साधारण थी, जिसे लेकर वर पक्ष बार-बार अस्वीकार कर देता था; (ख) दयाराम की आर्थिक स्थिति ऐसी नहीं थी कि वे माँगा हुआ दहेज दे सकें; (ग) समाज में योग्यता से अधिक रंग-रूप और दहेज को महत्त्व दिया जाता था।

दो कारण, 1-1 अंक।

(ii) मीनू को देख आने के बाद मायाराम के पास मेरठ के धनी व्यापारी धनीमल का प्रस्ताव आया, जिसमें सरिता का चित्र और पाँच लाख रुपये दहेज का वचन था। पत्नी के दबाव और धन के लोभ में आकर मायाराम ने, दहेज का विरोधी होते हुए भी, सरिता को चुन लिया।

धनीमल का प्रस्ताव और बड़ा दहेज 1. पत्नी के दबाव तथा लोभ में सिद्धांत छोड़ना 1.

(iii) कोई भी तीन: (क) मेधावी और परिश्रमी — परीक्षा में सदा प्रथम, विधि की पढ़ाई में भी शीर्ष; (ख) आत्मसम्मानी और दृढ़ — अपमान सहकर भी टूटती नहीं, अपने पैरों पर खड़ी होती है; (ग) धैर्यवान और संयमी — आशा के विवाह में मन की पीड़ा छिपाकर सब सँभालती है; (घ) कर्तव्यनिष्ठ — पिता के बीमार होने पर पढ़ाई के साथ उनकी सेवा करती है; (ङ) उदार और क्षमाशील — अमित को क्षमा कर देती है; (च) संवेदनशील — विकलांग मनोहर की सहायता करती है; (छ) आडंबर-विरोधी — अपने विवाह में फिजूलखर्ची नहीं होने देती।

तीन विशेषताएँ उदाहरण सहित, 1-1 अंक।

(iv) कोई भी तीन तर्क: (क) उसने विवाह को ही जीवन का एकमात्र लक्ष्य न मानकर शिक्षा को चुना, जिससे वह आत्मनिर्भर बनी; (ख) वकील बनकर उसने यह सिद्ध किया कि स्त्री की पहचान उसके रंग-रूप या दहेज से नहीं, योग्यता से बनती है; (ग) आत्मनिर्भरता के बाद वही समाज, जो उसे ठुकराता था, स्वयं उसके पास आया; (घ) उसने अपने परिवार का सहारा बनकर दायित्व भी निभाया; (ङ) उसका मार्ग अन्य लड़कियों के लिए अनुकरणीय उदाहरण बन गया।

तीन तर्क, 1-1 अंक।

प्रश्न 12 [10]

(i) दयाराम की सबसे बड़ी चिंता अपनी पुत्रियों, विशेषकर बड़ी पुत्री मीनू के विवाह की थी। सीमित आय के कारण वे दहेज जुटा पाने में असमर्थ थे, और हर बार वर पक्ष के इनकार से वे भीतर ही भीतर टूटते जा रहे थे।

पुत्रियों के विवाह की चिंता 1. दहेज जुटाने में असमर्थता 1.

(ii) जब अमित के घर से आशा के लिए प्रस्ताव आया, तो दयाराम ने यह कहकर आपत्ति की कि आशा मीनू से छोटी है और बड़ी बहन के रहते छोटी बहन का विवाह पहले करना उचित नहीं। उन्होंने मीनू के साथ अन्याय स्वीकार नहीं किया।

आशा का छोटा होना 1. बड़ी बहन के रहते अनुचित मानना 1.

(iii) कोई भी तीन: (क) योग्य कन्या भी केवल दहेज के अभाव में बार-बार ठुकराई जाती है; (ख) माता-पिता जीवन भर चिंता और अपमान सहते हैं, दयाराम रोग-ग्रस्त हो जाते हैं; (ग) दहेज के लोभ में योग्य वर-वधू का संबंध टूट जाता है, जैसे अमित और मीनू का; (घ) विवाह प्रेम और गुण का नहीं, धन का सौदा बन जाता है, जैसे सरिता का संबंध; (ङ) कन्या को स्वयं अपने जन्म पर लज्जा का अनुभव कराया जाता है।

तीन बिंदु, 1-1 अंक।

(iv) विवाह के लिए रखे गए धन में से मीनू ने पाँच हजार रुपये निकालकर विकलांग मनोहर के लिए पान की दुकान खुलवा दी, जिससे वह दूसरों पर निर्भर न रहकर अपने पैरों पर खड़ा हो गया। इस प्रसंग से मीनू के व्यक्तित्व का वह पक्ष उजागर होता है जिसमें वह आडंबर और फिजूलखर्ची की विरोधी तथा दीन-दुखियों के प्रति संवेदनशील और व्यावहारिक सहायता करने वाली है।

प्रसंग का वर्णन 1. आडंबर-विरोध 1. संवेदनशीलता और व्यावहारिक सहायता 1.

प्रश्न 13 [10]

(i) कोई भी दो: (क) सरल और भावुक — मीनू को पहली भेंट में ही पसंद कर लेता है; (ख) माता-पिता के दबाव के आगे आरंभ में निर्बल, पर भीतर से ईमानदार; (ग) पश्चात्तापी और दृढ़ — सरिता से संबंध टूटने पर विवाह ही न करने का निश्चय करता है; (घ) दहेज का विरोधी।

दो विशेषताएँ, 1-1 अंक।

(ii) अमित दुर्घटना में घायल होकर अस्पताल में भर्ती हुआ। नीलिमा के द्वारा सुरेन्द्र से समाचार पाकर मीनू उसे देखने गई। वहाँ अमित के पश्चात्ताप और विनम्रता को देखकर दोनों के मन की कटुता समाप्त हो गई।

दुर्घटना और अस्पताल में भेंट 1. पश्चात्ताप से कटुता का मिटना 1.

(iii) कोई भी तीन: (क) मीनू ने विवाह के परंपरागत मार्ग के स्थान पर शिक्षा और आत्मनिर्भरता का नया रास्ता चुना; (ख) समाज को यह नया रास्ता दिखाया गया कि कन्या बोझ नहीं, सहारा बन सकती है; (ग) मायाराम का पश्चात्ताप और क्षमा-याचना दिखाती है कि भूल सुधारकर नया रास्ता लिया जा सकता है; (घ) बिना आडंबर के सादा विवाह समाज के लिए नया मार्ग है; (ङ) मनोहर को आजीविका देकर मीनू ने उसके जीवन का भी नया रास्ता खोल दिया।

तीन बिंदु, 1-1 अंक।

(iv) उपन्यास का संदेश यह है कि दहेज प्रथा और रंग-रूप के आधार पर भेदभाव समाज के कोढ़ हैं। कन्या को बोझ समझने के स्थान पर उसे शिक्षित और आत्मनिर्भर बनाना चाहिए, क्योंकि आत्मनिर्भर स्त्री अपने और अपने परिवार दोनों के जीवन का मार्ग बदल देती है। साथ ही उपन्यास यह भी कहता है कि भूल कर देने वाला यदि सच्चे मन से पश्चात्ताप करे तो उसे क्षमा कर देना चाहिए।

दहेज और रंगभेद का विरोध 1. नारी शिक्षा और आत्मनिर्भरता 1. क्षमा तथा भूल-सुधार 1.

प्रश्न 14 [10]

(i) प्रमोद विवाह के बाद पहले सावन के अवसर पर अपनी बहन कमला को विदा कराने आया था। जीवनलाल ने शर्त रखी कि जब तक पाँच हजार रुपये नहीं मिलेंगे, कमला को विदा नहीं किया जाएगा।

पहला सावन 1. पाँच हजार रुपये की शर्त 1.

(ii) प्रमोद ने कहा कि वह मकान बेचकर रुपये जुटाएगा। कमला ने उसे यह कहकर रोका कि सिर छिपाने का एक ही ठिकाना है, उसे बेचकर माता-पिता और भाई कहाँ जाएँगे; वह स्वयं ससुराल में रह लेगी पर अपने मायके को उजड़ने नहीं देगी।

मकान बेचने की बात 1. कमला का त्यागपूर्ण कारण 1.

(iii) कोई भी तीन: (क) दयालु और न्यायप्रिय — बहू को बेटी के समान मानती है; (ख) साहसी और स्पष्टवक्ता — पति के अनुचित आचरण का विरोध करती है; (ग) व्यावहारिक और सहृदय — चुपचाप प्रमोद को रुपये देने को तैयार हो जाती है; (घ) विवेकशील — पति को उसी की बेटी का उदाहरण देकर समझाती है; (ङ) ममतामयी गृहिणी, जो घर को टूटने नहीं देती।

तीन विशेषताएँ, 1-1 अंक।

(iv) रमेश गौरी को बिना विदा कराए लौट आया, क्योंकि उसके ससुराल वालों ने और दहेज माँगा था। इस पर जीवनलाल क्रोधित हुए, तब राजेश्वरी ने उन्हें बताया कि वे स्वयं कमला के साथ वही व्यवहार कर रहे हैं। अपनी बेटी पर बीती देखकर जीवनलाल को अपनी भूल का बोध हुआ और उन्होंने कमला को विदा करने का आदेश दे दिया। एकांकीकार कहना चाहता है कि दहेज की माँग करने वाला व्यक्ति भूल जाता है कि उसकी अपनी बेटी भी किसी की बहू है; बहू को बेटी समझने पर ही यह कुप्रथा मिट सकती है।

गौरी का प्रसंग 1. राजेश्वरी का समझाना और जीवनलाल का बदलना 1. एकांकी का संदेश 1.

प्रश्न 15 [10]

(i) दादा मूलराज अपने संयुक्त परिवार की तुलना विशाल वट वृक्ष से करते हैं। जैसे वट वृक्ष की अनेक शाखाएँ एक ही तने से जुड़ी रहकर फैलती और फलती हैं, वैसे ही परिवार के सदस्य एक-दूसरे से जुड़े रहकर ही सुखी और समर्थ रह सकते हैं; डाली तने से कट जाए तो सूख जाती है।

वट वृक्ष से तुलना 1. एकता में ही जीवन — आशय 1.

(ii) बेला पढ़ी-लिखी और सम्पन्न घर से आई छोटी बहू थी। बड़े संयुक्त परिवार के रहन-सहन, टोका-टाकी और विशेषकर ननद इन्दु के तानों के कारण उसे लगता था कि यहाँ उसे समझा नहीं जाता; नौकरानी रजवा को डाँटने की बात पर भी कहा-सुनी हुई, जिससे उसका मन खिन्न रहने लगा।

नई, शिक्षित बहू का परिवार से तालमेल न बैठना 1. इन्दु के ताने और छोटी-छोटी शिकायतें 1.

(iii) कोई भी तीन: (क) दादा जी के कहने पर सब उससे अत्यधिक शिष्टाचार से पेश आने लगे, जो अपनापन नहीं, औपचारिकता थी; (ख) अधिक आदर ने उसे परिवार से अलग एक अतिथि बना दिया; (ग) टोका-टाकी बंद होने से उसे लगा कि अब कोई उसे अपना ही नहीं समझता; (घ) वह बराबरी का व्यवहार चाहती थी, विशेष व्यवहार नहीं; (ङ) उसे भय हुआ कि वह तने से कटी डाली की तरह सूख जाएगी।

तीन बिंदु, 1-1 अंक।

(iv) शीर्षक सार्थक है। परिवार वट वृक्ष है और प्रत्येक सदस्य उसकी डाली। जो डाली तने से कट जाती है वह हरी नहीं रह सकती, सूख जाती है। बेला को जब अलग-थलग किया गया तो वह भी ऐसी ही सूखी डाली बनने लगी थी, और जुड़ते ही फिर हरी हो गई। केंद्रीय भाव: संयुक्त परिवार की एकता तभी बनी रहती है जब मुखिया विवेकी हो, छोटी शिकायतों का समय पर निवारण हो और सब सदस्यों के साथ बराबरी तथा आत्मीयता का व्यवहार किया जाए।

शीर्षक की सार्थकता 1. बेला के प्रसंग से संबंध 1. केंद्रीय भाव 1.

प्रश्न 16 [10]

(i) बनवीर महाराणा विक्रमादित्य की हत्या कर चुका था और उदयसिंह को मारकर सिंहासन हथियाना चाहता था। उसने असमय दीपदान का उत्सव इसलिए रचाया कि महल के लोग उत्सव में व्यस्त रहें, उसका षडयंत्र किसी की दृष्टि में न आए और वह सहज ही अपना काम कर सके।

सिंहासन के लिए षडयंत्र 1. उत्सव की आड़ में ध्यान बँटाना 1.

(ii) पन्ना ने जूठी पत्तल उठाने वाले कीरत बारी की सहायता ली। उसने उदयसिंह को जूठी पत्तलों की टोकरी में छिपाकर महल से बाहर भिजवा दिया और उनके स्थान पर अपने पुत्र चन्दन को पलंग पर सुला दिया।

कीरत बारी और पत्तलों की टोकरी 1. चन्दन को उदयसिंह के स्थान पर सुलाना 1.

(iii) कोई भी तीन: (क) स्वामिभक्त — महाराणा के नमक को अपने रक्त से भी बड़ा मानती है; (ख) त्यागमूर्ति — स्वामी के पुत्र की रक्षा के लिए अपने ही पुत्र का बलिदान कर देती है; (ग) सतर्क और दूरदर्शी — समय रहते षडयंत्र को भाँप लेती है; (घ) साहसी — बनवीर के सामने निर्भय होकर खड़ी होती है और उस पर वार तक करती है; (ङ) निर्लोभ — जागीर का लालच ठुकरा देती है; (च) धैर्यवान माता, जो पुत्र की मृत्यु के समय भी कर्तव्य से नहीं डिगती।

तीन विशेषताएँ, 1-1 अंक।

(iv) पन्ना का त्याग मातृत्व पर कर्तव्य की विजय है। एक माता के लिए अपने पुत्र को मृत्यु के मुख में सुला देना सबसे कठिन कार्य है, फिर भी उसने मेवाड़ के भविष्य और स्वामी के प्रति निष्ठा को ऊपर रखा। (यह मत भी स्वीकार्य है कि एक निर्दोष बालक का बलिदान हृदय-विदारक है, यदि तर्क सही दिया गया हो।) संदेश: कर्तव्य, स्वामिभक्ति और देश के प्रति निष्ठा व्यक्तिगत सुख और स्वार्थ से बड़ी है, और ऐसा बलिदान ही इतिहास में अमर होता है।

अपना मत 1. मत के पक्ष में तर्क 1. एकांकी का संदेश 1.